>

Title: Regarding control of pollution in Yamuna river in Agra, Uttar Pradesh.

प्रो. रामशंकर (आगरा): सभापति महोदय, मैं आपके संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि यमुना जो प्रदूषित है और जल विहीन यमुना है, उसको लेकर मथुरा से हजारों किसान, साधु संत और जनता पदयात्रा कर रहे हैं और दिल्ली के लिए उन्होंने कूच किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि यमुना पूरी तरह से सूखी पड़ी है। हथिनीकुंड पर यमुना को बंधक बना लिया गया है। यमुना में हथिनीकुंड से पानी थोड़ा-बहुत छोड़ा जाता है और जो थोड़ा-बहुत बचता है तो वह दिल्ली के लोग पी लेते हैं। आगे चलकर मथुरा-आगरा में यमुना का पानी बिल्कुल नहीं जाता है। सरकार को यह भी अवगत कराना चाहता हूं कि आगरा और मथुरा में यह पानी खारा है और वहां पर जमीन का पानी कोई पी नहीं सकता है। केवल यमुना के पानी से ही आगरा और मथुरा की जनता पानी पीने को मजबूर है। लेकिन उस यमुना में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी वहां पर गंदे नाले यमुना में गिरते हैं जिसका पानी पीने को जनता मजबूर है। मैं सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि आगरा की जनता में केवल 20 प्रतिशत लोग बिसलरी का पानी खरीद लेते हैं लेकिन 80 प्रतिशत गरीब जनता वही गंदा पानी पीने को मजबूर है जिसके कारण इतनी भयंकर बीमारियां हो रही हैं और उनकी 40 से 50 साल में ही मृत्यु हो जाती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार भी इसमें चुप है। उत्तर प्रदेश का यमुना के पानी में जो हिस्सा है, वह उसे क्यों नहीं दिया जाता है? इस संबंध में मैं उत्तर प्रदेश सरकार से भी अपील करता हूं तथा सरकार से मेरा यह भी निवेदन है कि यमुना के किनारे ताजमहल बना हुआ है और ताजमहल की नींव में लकड़ी है और वह भी सूख रही है। यदि पर्याप्त पानी यमुना में नहीं छोड़ा गया तो निश्चित रूप से ताजमहल एक दिन गिर जाएगा। ताजमहल गिर जाए लेकिन आगरा की जनता बची रहे। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इसलिए जो संतों और किसानों की पदयात्रा हो रही है, उसका मैं पूरी तरह से समर्थन करता हूं। यमुना में पानी छोड़ा जाए जिससे यमुना मैया बची रहे।

MR. CHAIRMAN :

Shri Rajendra Agarwal and

Shri Arjun Ram Meghwal are allowed to associate with the matter raised by Prof. Ramshankar.